

जतु पुं. (तत्.) 1. गोंद 2. लाख 3. शिलाजीत स्त्री.
(तद्.) चमगादड़।

जतुक पुं. (तत्.) 1. हींग 2. लाख 3. शरीर पर
जन्मजात चिह्न।

जतुका स्त्री. (तत्.) पहाड़ी नामक लता 2. चमगादड़
3. लाख।

जतुनी स्त्री. (तत्.) चमगादड़।

जतू स्त्री. (तत्.) 1. चमगादड़ 2. लाख का बना रंग।

जतूका स्त्री. (तत्.) दे. जतुका।

जत्था पुं. (देश.) समूह, झुंड, गिरोह प्रयो. जत्थेदार-
समूह का प्रधान।

जत्रु पुं. (तत्.) हँसी, हँसिया।

जत्वश्मक पुं. (तत्.) शिलाजीत।

जद क्रि.वि. (देश.) जब-जब, जब-कभी अव्य. (तत्.)
अगर, यदि।

जदनि वि. (फ़ा.) वध करने योग्य।

जदपि क्रि.वि. (तद्.) यद्यपि।

जदल पुं. (अर.) 1. युद्ध संघर्ष 2. झगड़ा।

जदवर पुं. (अर.) एक निर्विषी घास।

जदा वि. (फ़ा.) पीड़ित, संव्रस्त।

जदु वीर पुं. (देश.) श्री कृष्ण।

जदुकुल पुं. (देश.) दे. यदुवंश।

जदुनाथ पुं. (तद्.) दे. यदुनाथ।

जदुपति पुं. (तद्.) श्री कृष्ण।

जदुपुरी स्त्री. (तद्.) राजा यदु का नगर, यदुकुल
की राजधानी, मथुरा एवं द्वारिका।

जदुयाल पुं. (तद्.) श्री कृष्ण।

जदुराई पुं. (तद्.) श्री कृष्ण, यदुनाथ।

जदुराज पुं. (तद्.) श्री कृष्ण।

जदुराम पुं. (तद्.) बलदेव।

जदुवंशी पुं. (तद्.) दे. यदुवंशी।

जद्यपि क्रि.वि. (तद्.) दे. यद्यपि।

जद्दोजहद स्त्री. (अर.) दौड़धूप, प्रयत्न।

जनंगम पुं. (तत्.) चांडाल।

जन पुं. (तत्.) लोक, लोग प्रयो. जन अपवाद-
लोकोपवाद, जन आंदोलन-जनसमूह द्वारा किया
गया आंदोलन या हलचल, जन जीवन- लोक जीवन,
जन समाज- लोगों का समाज, जन समूह- लोगों
का समूह 2. प्रजा 3. गँवार 4. जाति 5. अनुयायी,
अनुचर 6. मनुष्य, व्यक्ति।

जनक पुं. (तत्.) 1. पिता, पैदा करने वाला 2.
जन्मदाता 3. सीता जी के पिता का नाम।

जनकपुर पुं. (तत्.) मिथिला की प्राचीन राजधानी।

जनक दुलारी स्त्री. (तत्.) जनक की प्रिय पुत्री,
सीता, जानकी।

जनक नंदिनी स्त्री. (तत्.) जानकी, सीता।

जनकात्मजा स्त्री. (तत्.) जनक की पुत्री, सीता,
जानकी।

जनकौर पुं. (देश.) जनक का स्थान, जनक नगर।

जनखा वि. (फ़ा.) हिजड़ा, नपुंसक, स्त्रैण।

जनगणना स्त्री. (तत्.) लोगों, पशुओं, पेड़-पौधों की
गिनती।

जनजागरण पुं. (तत्.) जनता में अपने हित,
अहित का ज्ञान होना।

जन जाति स्त्री. (तत्.) जंगलों या पर्वतीय क्षेत्रों में
रहने वाली जाति या वर्ग, आदिम जाति।

जनतंत्र पुं. (तत्.) जनता का शासन, लोक तंत्र,
प्रजा तंत्र, जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों का
शासन।

जनतांत्रिक वि. (तत्.) जनतंत्र संबंधी।

जनता स्त्री. (तत्.) जन समूह, लोक, जन, जन
साधारण 2. जनन का भाव प्रयो. जनता जनार्दन-
लोक रूपी ईश्वर।

जन धन पुं. (तत्.) सार्वजनिक धन, मनुष्य और
संपदा प्रयो. जन धन योजना- आर्थिक रूप से